

Dr. Priti Ranjan

H.O.D history department

H.D jain college ara

Notes for pg semester 1

“इतिहास की प्रकृति (Nature of History)” पर संक्षिप्त वर्णन करें।

इतिहास की प्रकृति (Nature of History)

1. अर्थ (Meaning of History)

‘इतिहास’ शब्द संस्कृत के “इतिह + आस” से बना है, जिसका अर्थ है – “ऐसा वास्तव में हुआ”।

अर्थात् इतिहास वह शास्त्र है जो भूतकाल की सत्य घटनाओं का तथ्यपरक, क्रमबद्ध एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन करता है।

2. इतिहास की प्रकृति (Nature of History)

इतिहास की प्रकृति को विभिन्न दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है –

(A) इतिहास एक विज्ञान है (History as Science)

- इतिहास में तथ्यों का संग्रह, सत्यापन और विश्लेषण वैज्ञानिक ढंग से किया जाता है।
- इसमें कारण-परिणाम संबंध (Cause and Effect Relationship) खोजा जाता है।
- इतिहासकार साक्ष्यों (Evidence) के आधार पर निष्कर्ष देता है, कल्पना पर नहीं।
- E.H. Carr के अनुसार – “History is a continuous process of interaction between the historian and his facts.”

(B) इतिहास एक कला है (History as Art)

- इतिहास में तथ्यों को जीवंत और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की कला होती है।
- केवल तथ्य नहीं, बल्कि उनका मानवीय पक्ष और भावनात्मक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है।
- Lord Acton ने कहा – “History is not a burden on the memory but an illumination of the soul.”

(C) इतिहास एक सामाजिक विज्ञान है (History as a Social Science)

- इतिहास मनुष्य और समाज के विकास की कहानी है।
- इसमें समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, राजनीति आदि सभी का अध्ययन होता है।

Karl Marx ने इतिहास को “Class struggle की कहानी” कहा।

(D) इतिहास एक व्याख्यात्मक शास्त्र है (History as Interpretation)

- इतिहास केवल घटनाओं का वर्णन नहीं, बल्कि उनका विश्लेषण और व्याख्या भी करता है।
- अलग-अलग इतिहासकार एक ही घटना को भिन्न दृष्टि से व्याख्यायित करते हैं।

उदाहरण: 1857 की क्रांति – अंग्रेजों के लिए ‘Sepoy Mutiny’, भारतीयों के लिए ‘First War of Independence’।

(E) इतिहास का मानवीय स्वरूप (Humanistic Nature)

- इतिहास मनुष्य के संघर्ष, चेतना, भावनाओं और विकास की कहानी है।
- इसका केंद्र बिंदु “मनुष्य” है – इसलिए इसे “Man-centred study” कहा गया है।

(F) इतिहास का नैतिक पक्ष (Moral Nature)

- इतिहास से हमें नैतिक शिक्षा और अनुभव से सीखने की प्रेरणा मिलती है।

Cicero के अनुसार – “History is the teacher of life.”

3. इतिहास की विशेषताएँ (Characteristics of History)

1. इतिहास भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन करता है।
2. यह साक्ष्य एवं प्रमाणों पर आधारित होता है।
3. यह क्रमबद्ध और तर्कसंगत होता है।
4. यह मानव-केंद्रित और समाज-केंद्रित होता है।
5. इतिहास सतत विकसित होता है – नए साक्ष्यों से इसके निष्कर्ष बदल सकते हैं।
6. इसमें विषय की वस्तुनिष्ठता (Objectivity) आवश्यक है।

निष्कर्ष (Conclusion)

इतिहास न तो केवल विज्ञान है, न केवल कला –

यह विज्ञान, कला और समाजशास्त्र का समन्वय (Synthesis) है।

इसकी प्रकृति बहुआयामी (Multidimensional) है, क्योंकि

“मनुष्य, समाज और संस्कृति के सतत विकास की कहानी” है।

इतिहास = तथ्य + व्याख्या + संवेदना + सीख